

MASTER OF ARTS (POLITICAL SCIENCE) (MPS)

Term-End Examination December, 2024

MPS-004: COMPARATIVE POLITICS

ANSWERS IN HINDI AND ENGLISH BOTH.

Trace the evolution of Human Rights in the 20th century.

1. Swaraj and Independence Movements (20th Century)

The early 20th century saw the emergence of powerful independence movements in countries under colonial rule. The Indian independence struggle, led by figures like Mahatma Gandhi and Jawaharlal Nehru, advocated for self-rule and the end of British colonial domination.

Similar movements occurred in Africa and Asia, such as the Algerian War of Independence (1954–1962) against France and the struggle for independence in Vietnam led by Ho Chi Minh. These movements were based on the principle that all people had the right to self-determination.

स्वराज और स्वतंत्रता आंदोलन (20वीं सदी)

20वीं सदी में उपनिवेशी शासन के तहत देशों में स्वतंत्रता आंदोलनों का उदय हुआ। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम, जिसमें महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसे नेताओं ने ब्रिटिश उपनिवेशी शासन के अंत के लिए स्वशासन की बात की, इसका प्रमुख उदाहरण है।

अफ्रीका और एशिया में भी समान आंदोलन हुए, जैसे अल्जीरिया में 1954-1962 के बीच फ्रांस के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम और वियतनाम में हो ची मिन्ह द्वारा स्वतंत्रता के लिए संघर्ष। ये आंदोलन इस सिद्धांत पर आधारित थे कि सभी लोगों को आत्मनिर्णय का अधिकार है।

2. **Universal Declaration of Human Rights (1948)**

In 1948, the United Nations adopted the Universal Declaration of Human Rights, which was a major step in formalizing the protection of human rights worldwide.

The Declaration laid out fundamental freedoms such as the right to life, liberty, education, work, and freedom of expression, regardless of nationality, race, or religion. This document is the foundation for many international human rights laws and has been instrumental in promoting human dignity across the globe.

सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा (1948)

1948 में, संयुक्त राष्ट्र ने सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा को अपनाया, जो विश्वभर में मानवाधिकारों की सुरक्षा को औपचारिक रूप से स्थापित करने में एक महत्वपूर्ण कदम था।

इस घोषणा में जीवन, स्वतंत्रता, शिक्षा, कार्य और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे मौलिक अधिकारों की रूपरेखा दी गई थी, चाहे वह राष्ट्रियता, जाति या धर्म कुछ भी हो। यह दस्तावेज़ कई अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों की नींव है और पूरी दुनिया में मानव गरिमा को बढ़ावा देने में सहायक रहा है।

3. **Civil Rights Movement (1950s-1960s)**

The Civil Rights Movement in the United States, led by leaders like Martin Luther King Jr., sought to end racial segregation and discrimination against African Americans.

The movement gained momentum through peaceful protests, legal challenges, and significant events like the 1963 March on Washington, where King delivered his famous "I Have a Dream" speech.

The result was landmark legislation, including the Civil Rights Act of 1964 and the Voting Rights Act of 1965, which outlawed discrimination in public places, schools, and employment, and protected the voting rights of African Americans.

नागरिक अधिकार आंदोलन (1950-1960 के दशक)

संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन, जिसका नेतृत्व मार्टिन लूथर किंग जूनियर जैसे नेताओं ने किया, का उद्देश्य अफ्रीकी अमेरिकियों के खिलाफ नस्लीय भेदभाव और पृथक्करण को समाप्त करना था।

इस आंदोलन ने शांति पूर्ण विरोध, कानूनी चुनौतियों और 1963 के वाशिंगटन मार्च जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं के माध्यम से गति पकड़ी, जहां किंग ने अपना प्रसिद्ध "I Have a Dream" भाषण दिया।

इसके परिणामस्वरूप नागरिक अधिकार अधिनियम 1964 और मतदान अधिकार अधिनियम 1965 जैसे ऐतिहासिक कानून बने, जिनसे सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों और रोजगार में भेदभाव को समाप्त किया गया और अफ्रीकी अमेरिकियों के मतदान अधिकारों की रक्षा की गई।

4. End of Apartheid in South Africa (1990s)

Apartheid was a system of institutionalized racial segregation in South Africa, which denied black South Africans basic rights, including the right to vote and access to education and healthcare.

The struggle against apartheid was led by Nelson Mandela and the African National Congress (ANC). After decades of resistance, the system was dismantled in 1991, and Mandela was released from prison. In 1994, South Africa held its first democratic elections, and Mandela became the country's first black president, symbolizing a monumental victory for human rights and racial equality.

दक्षिण अफ्रीका में अपार्टहेड का अंत (1990 के दशक)

अपार्टहेड दक्षिण अफ्रीका में नस्लीय पृथक्करण का एक संस्थागत रूप था, जिसने काले दक्षिण अफ्रीकियों को बुनियादी अधिकारों से वंचित किया, जिसमें मतदान का अधिकार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच शामिल थी।

अपार्टहेड के खिलाफ संघर्ष नेल्सन मंडेला और अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (ANC) द्वारा नेतृत्व किया गया। दशकों की प्रतिरोध के बाद, इस प्रणाली को 1991 में समाप्त कर दिया गया और मंडेला को जेल से रिहा किया गया। 1994 में, दक्षिण अफ्रीका में पहले लोकतांत्रिक चुनाव हुए, और मंडेला देश के पहले काले राष्ट्रपति बने, जो

मानवाधिकारों और नस्लीय समानता के लिए एक ऐतिहासिक विजय का प्रतीक बने।

5. International Treaties and Conventions

The 20th century saw the adoption of various international treaties aimed at protecting human rights. The International Covenant on Civil and Political Rights (1966) and the International Covenant on Economic, Social, and Cultural Rights (1966) laid down essential human rights standards. These treaties focused on civil liberties, political participation, economic equality, and cultural rights.

The Convention on the Elimination of All Forms of Racial Discrimination (1965) was another important agreement that committed nations to combat racial discrimination globally.

अंतरराष्ट्रीय संधियाँ और सम्मेलन

20वीं सदी में मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संधियों को अपनाया गया। नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय संधि (1966) और आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय संधि (1966) ने महत्वपूर्ण मानवाधिकार मानकों की स्थापना की। ये संधियाँ नागरिक स्वतंत्रताओं, राजनीतिक भागीदारी, आर्थिक समानता और सांस्कृतिक अधिकारों पर केंद्रित थीं।

सभी प्रकार के जातिवाद उन्मूलन पर संधि (1965) एक और महत्वपूर्ण समझौता था, जिसने देशों को वैश्विक स्तर पर जातिवाद के खिलाफ संघर्ष करने का वचन लिया।

6. Globalization and Human Rights Advocacy

With the rise of globalization in the late 20th and early 21st centuries, human rights issues became more interconnected across borders. Global NGOs like Amnesty International and Human Rights Watch began working internationally to address issues such as child labor, women's rights, and refugee protection. The expansion of the internet and social media has also played a crucial role in raising awareness about human

rights violations, helping to mobilize support and advocate for justice on a global scale.

वैश्वीकरण और मानवाधिकारों की वकालत

20वीं सदी के अंत और 21वीं सदी की शुरुआत में वैश्वीकरण के बढ़ने के साथ, मानवाधिकारों के मुद्दे सीमाओं के पार आपस में जुड़े हुए हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसे वैश्विक एनजीओ ने बाल श्रम, महिलाओं के अधिकारों और शरणार्थियों की सुरक्षा जैसे मुद्दों को संबोधित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करना शुरू किया। इंटरनेट और सोशल मीडिया का विस्तार भी मानवाधिकार उल्लंघनों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो वैश्विक स्तर पर समर्थन जुटाने और न्याय के लिए वकालत करने में मदद करता है।

Define Human Development and discuss its core areas of concern.

Human Development

Human Development refers to the process of improving the well-being and quality of life of individuals by expanding their capabilities and freedoms. It emphasizes the development of human potential and seeks to create opportunities for people to lead fulfilling lives. The concept, popularized by the United Nations Development Programme (UNDP), moves beyond economic growth to include aspects such as education, health, social justice, and environmental sustainability. Human development focuses on enhancing people's ability to make choices, access resources, and live with dignity.

मानव विकास

मानव विकास का तात्पर्य है व्यक्तियों की भलाई और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना, उनके क्षमताओं और स्वतंत्रताओं का विस्तार करना। यह मानव क्षमता के विकास पर जोर देता है और लोगों को संतोषजनक जीवन जीने के लिए अवसर पैदा करने का प्रयास करता है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रचलित इस अवधारणा में आर्थिक विकास से आगे बढ़कर शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे

पहलुओं को शामिल किया गया है। मानव विकास का उद्देश्य लोगों की पसंद बनाने, संसाधनों तक पहुंचने और गरिमा के साथ जीवन जीने की क्षमता को बढ़ाना है।

Core Areas of Concern

1. Health and Well-being

One of the most fundamental aspects of human development is improving health and ensuring that all individuals have access to quality healthcare. This includes reducing mortality rates, increasing life expectancy, and addressing issues like malnutrition, infectious diseases, and access to clean water and sanitation. Ensuring good health allows individuals to live productive and fulfilling lives.

स्वास्थ्य और कल्याण

मानव विकास के सबसे मौलिक पहलुओं में से एक है स्वास्थ्य में सुधार करना और यह सुनिश्चित करना कि सभी व्यक्तियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त हो। इसमें मृत्यु दर को घटाना, जीवन प्रत्याशा बढ़ाना और कुपोषण, संक्रामक बीमारियाँ, स्वच्छ जल और स्वच्छता तक पहुँच जैसी समस्याओं को संबोधित करना शामिल है। अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना व्यक्तियों को उत्पादक और संतोषजनक जीवन जीने की अनुमति देता है।

2. Education and Knowledge

Education plays a central role in human development. Access to quality education empowers individuals with the knowledge and skills they need to improve their lives and contribute to society. A strong education system also fosters social mobility, reducing inequality and promoting sustainable development by giving individuals the tools they need to succeed in life.

शिक्षा और ज्ञान

शिक्षा मानव विकास में केंद्रीय भूमिका निभाती है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच व्यक्ति को वह ज्ञान और कौशल प्रदान करती है जिसकी उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने और समाज में योगदान देने के लिए आवश्यकता होती है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा देती है, असमानता को

कम करती है और व्यक्तियों को जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करके सतत विकास को बढ़ावा देती है।

3. Economic Opportunities and Employment

Human development emphasizes economic opportunities for all individuals, ensuring they have access to decent work, fair wages, and the ability to improve their standard of living. Economic stability allows people to support themselves and their families, contributing to a more equitable and prosperous society.

आर्थिक अवसर और रोजगार

मानव विकास सभी व्यक्तियों के लिए आर्थिक अवसरों पर जोर देता है, यह सुनिश्चित करता है कि उन्हें सम्मानजनक कार्य, उचित वेतन और जीवन स्तर में सुधार करने की क्षमता मिले। आर्थिक स्थिरता लोगों को स्वयं और अपने परिवारों का पालन-पोषण करने की अनुमति देती है, जो एक अधिक समान और समृद्ध समाज में योगदान करती है।

4. Gender Equality and Empowerment

Ensuring equality between men and women is crucial for human development. Gender equality enables women and men to have equal access to opportunities, resources, and rights. Promoting women's empowerment through access to education, healthcare, and economic opportunities plays a critical role in enhancing human development by reducing gender disparities.

लिंग समानता और सशक्तिकरण

पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता सुनिश्चित करना मानव विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। लिंग समानता पुरुषों और महिलाओं को अवसरों, संसाधनों और अधिकारों तक समान पहुंच प्रदान करती है। महिलाओं का सशक्तिकरण शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और आर्थिक अवसरों तक पहुंच के माध्यम से किया जाता है, जो लिंग असमानताओं को कम करके मानव विकास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

5. Social Justice and Equity

Human development is closely linked to social justice, which ensures

that all individuals, regardless of their background, have access to equal rights, opportunities, and resources. It focuses on reducing inequalities related to caste, race, ethnicity, and social status, thereby creating a more just and equitable society. Efforts to address poverty and provide social protection are central to this area of concern.

सामाजिक न्याय और समानता

मानव विकास सामाजिक न्याय से गहरे रूप से जुड़ा हुआ है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी व्यक्तियों को उनके पृष्ठभूमि के बावजूद समान अधिकारों, अवसरों और संसाधनों तक पहुँच प्राप्त हो। यह जाति, नस्ल, जातीयता और सामाजिक स्थिति से संबंधित असमानताओं को कम करने पर केंद्रित है, जिससे एक अधिक न्यायपूर्ण और समान समाज का निर्माण होता है। गरीबी को संबोधित करने और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के प्रयास इस क्षेत्र की केंद्रीय चिंता हैं।

6. Environmental Sustainability

Sustainable development, which includes environmental sustainability, is a key area in human development. It involves protecting the environment for future generations, addressing climate change, promoting renewable energy, and ensuring sustainable resource use. Human development cannot thrive without a healthy planet, as environmental degradation affects health, livelihoods, and future prospects.

पर्यावरणीय स्थिरता

सतत विकास, जिसमें पर्यावरणीय स्थिरता शामिल है, मानव विकास का एक प्रमुख क्षेत्र है। इसमें भविष्य पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा करना, जलवायु परिवर्तन को संबोधित करना, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना और संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित करना शामिल है। मानव विकास एक स्वस्थ ग्रह के बिना नहीं फल-फूल सकता, क्योंकि पर्यावरणीय गिरावट स्वास्थ्य, आजीविका और भविष्य की संभावनाओं को प्रभावित करती है।

LINK OF OTHER PARTS IS IN DESCRIPTION

FOR PDF VISIT ON GOOGLE hindustanknowledge.com

Scholarly Minds